जैन गज़ल गुलचमन बहार ॥

तर्ज़–या हसीना बस मदीना, करबला में तूं न जा।

गज़ल (चोवीस तीर्थंकरों की स्तुति)।

दिल चमन तेरा रहे, जिनराज का स्मरण किया। संसार से तिर जायगा, जिनराज का स्मरण किया ॥ टेर ॥ अव्वल, ऋषभ, अजित, संभव, अभिनन्दन है जबर। नाम लेते पाक हो, जिनराज का स्मरण किया ॥ १ ॥ सुमति, पद्म, सुपार्श्व, चंदाप्रभू की सेवा कर। आवागमन मिट जायगा, जिनराज का स्मरण किया ॥ २ ॥ सुविधि, शीतल, श्रेयांस, वासुपुज्य जग में भानु सम। मिथ्यात्व अंधेरा मिटे, जिनराज का स्मरण किया ॥ ३ ॥ विमल, अनत, धर्म, शांतिनाथ नित्य शांति करे। आनन्द ही आनन्द रहे, जिनराज का स्मरण किया ॥ ४ ॥ कुंथु, अरं, मल्लि, मुनिसुव्रत सदा हृदय बसे। आशा पूर्ण हो तेरी, जिनराज का स्मरण किया ॥ ५ ॥ नमो अरिष्ट नेमी, प्रभु पार्श्व महावीर सार है। सुरनर